RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

RIICO missiongyan

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा-10वीं राजस्थान बोर्ड 2027

ARJUN BATCH

सामाजिक विज्ञान

संसाधन एवं विकास

Resources and Development



CHAPTER -01 | PART-06

एकदम बेसिक से थ्योरी क्लास!

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

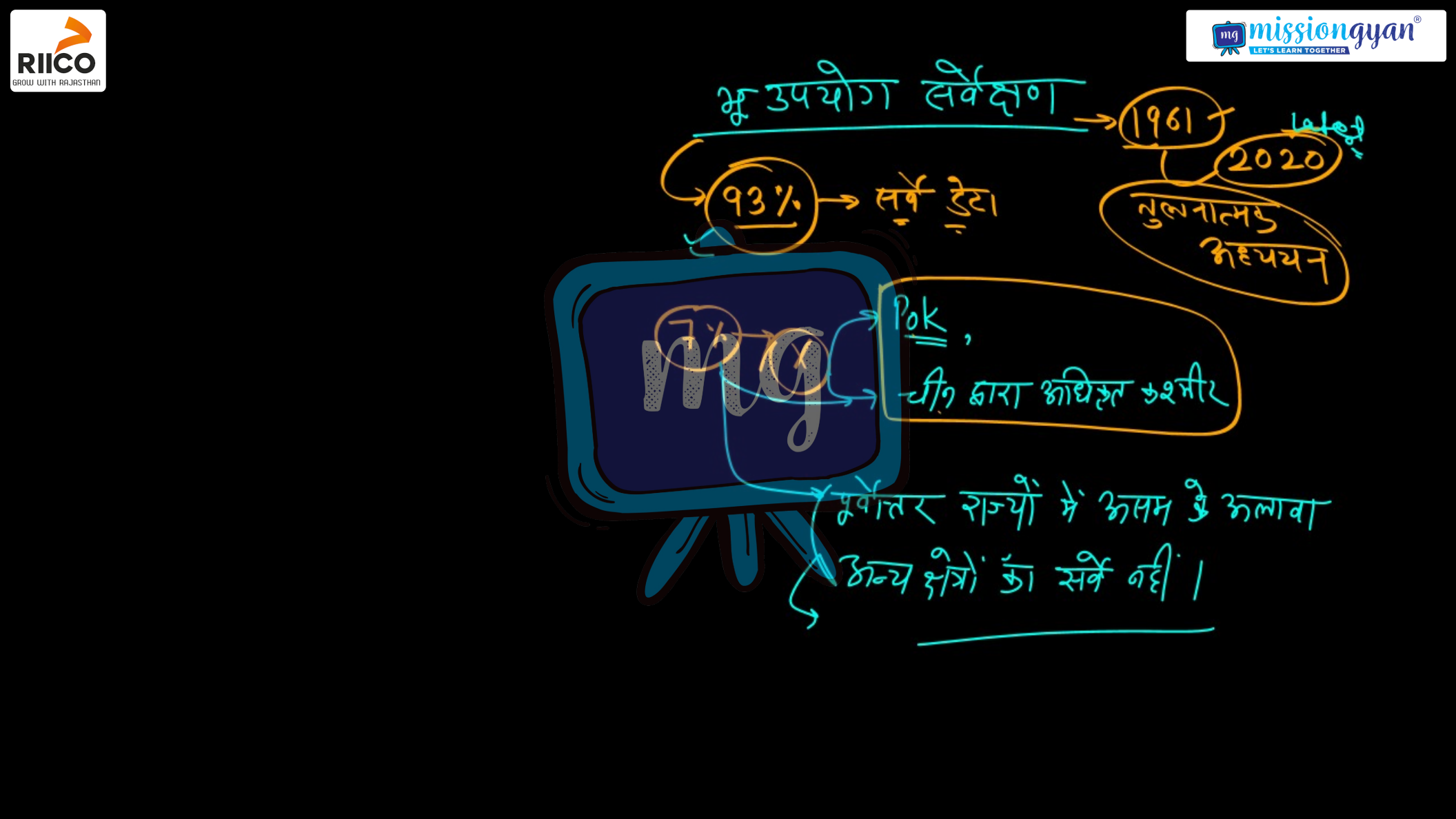


1. भारत में भू-उपयोग प्रारूप
2. राष्ट्रीय वन नीति (1952)
3. भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय
4. भारत - मानचित्र

भारत में भू-उपयोग प्रारूप

भू-उपयोग को निर्धारित करने वाले कारक —

- भौतिक कारक (भू-आकृति, जलवायु, मृदा का प्रकार)
- मानवीय कारक (जनसंख्या घनत्व, प्रौद्योगिक क्षमता, संस्कृति)
- भारत का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल = 32.8 लाख वर्ग किमी.


भू उपयोग सर्वेक्षण
1961
2020
तुलनात्मक अध्ययन
93%
सर्वे डेटा
PoK,
चीन द्वारा अधिकृत कश्मीर
पूर्वोत्तर राज्यों में असम के अलावा
अन्य क्षेत्रों का सर्वे नहीं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

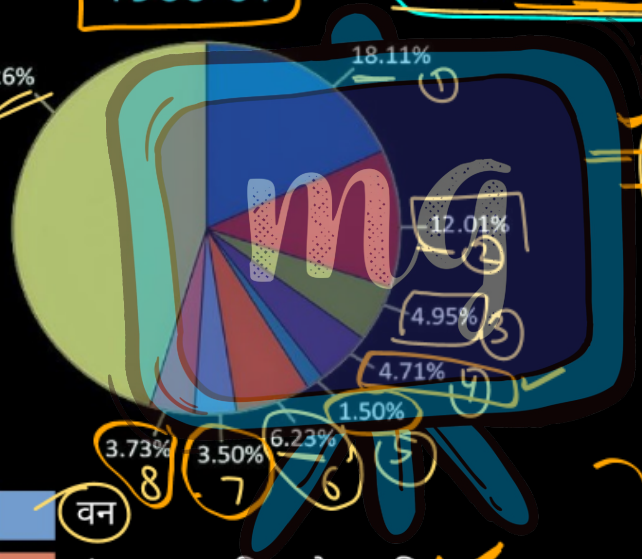
- परंतु इसके 93% भाग के ही भू-उपयोग आँकड़े उपलब्ध हैं
  - क्योंकि पूर्वोत्तर प्रांतों में असम को छोड़कर अन्य प्रांतों के सूचित क्षेत्र के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है।
  - इसके अलावा जम्मू और कश्मीर में पाकिस्तान और चीन अधिकृत क्षेत्रों के भूमि उपयोग का सर्वेक्षण भी नहीं हुआ है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सामान्य भू-उपयोग

प्रतिवेदित क्षेत्र 100 प्रतिशत



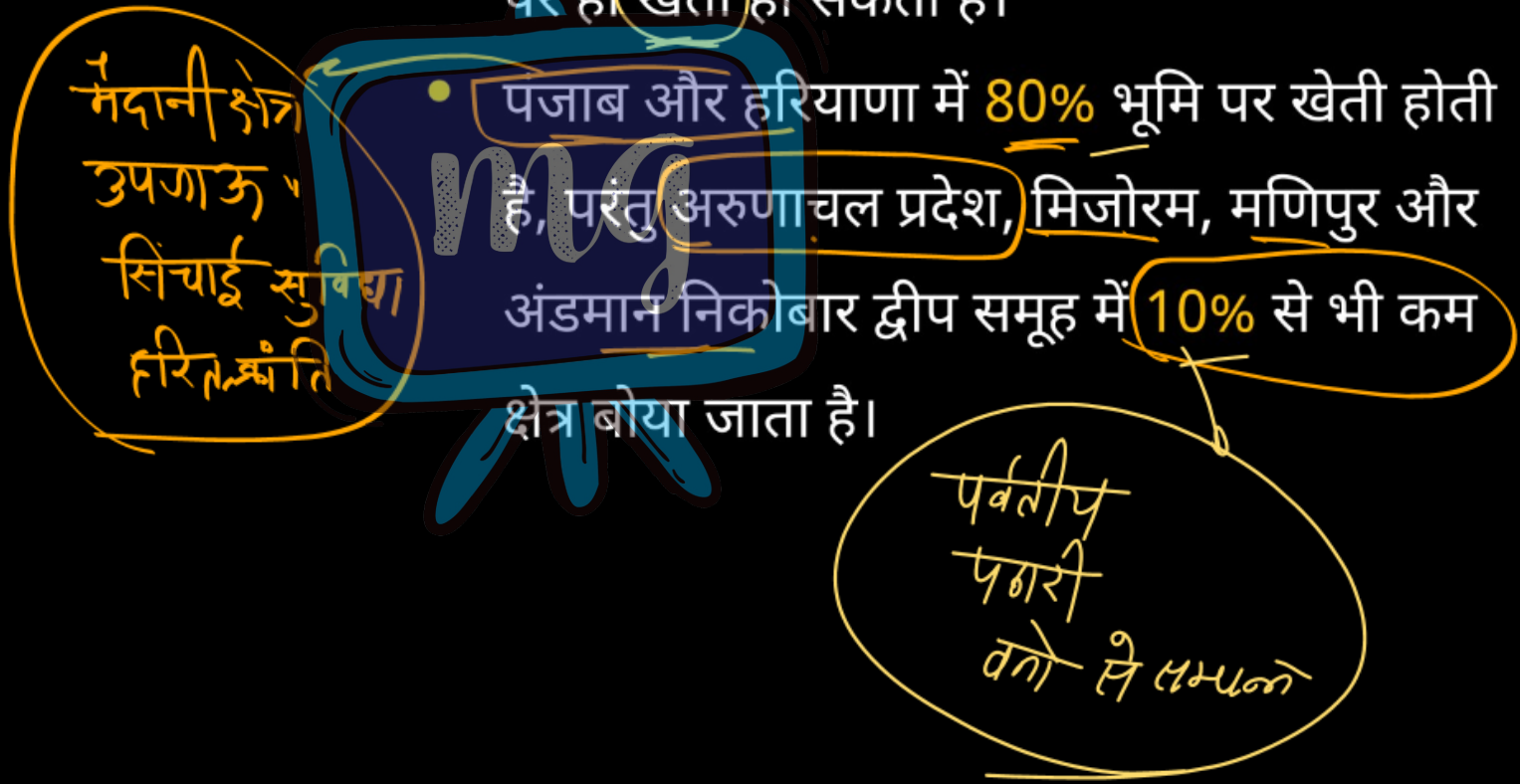
45.64
4.49
+ 3.67
53.80%
≈ 54%

1. वन
2. बंजर तथा कृषि अयोग्य भूमि
3. गैर-कृषि प्रयोजनों के अंतर्गत क्षेत्र
4. स्थायी चारागाहें तथा अन्य गोचर भूमि
5. विविध वृक्षों, वृक्ष फसलों तथा उपवनों के अंतर्गत क्षेत्र
6. कृषि योग्य बंजर भूमि (5 वर्ष+)
7. परती भूमि के अतिरिक्त अन्य पुरातन परती
8. वर्तमान परती
9. शुद्ध (निवल) बोया गया क्षेत्र (1-5 वर्ष)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

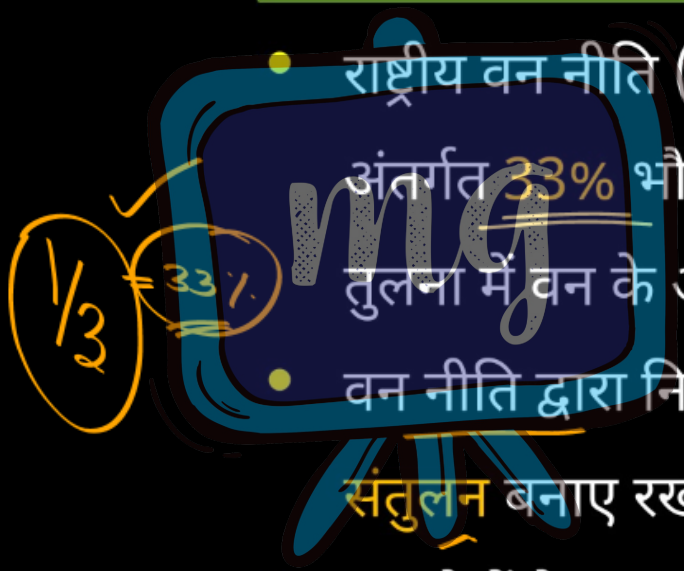
- भारत के कुल सूचित क्षेत्र के लगभग 54% हिस्से पर ही खेती हो सकती है।
- पंजाब और हरियाणा में 80% भूमि पर खेती होती है, परंतु अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 10% से भी कम क्षेत्र बोया जाता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रीय वन नीति (1952)



- राष्ट्रीय वन नीति (1952) द्वारा निर्धारित वनों के अंतर्गत 33% भौगोलिक क्षेत्र वांछित हैं। (जिसकी तुलना में वन के अंतर्गत क्षेत्र काफी कम है)
- वन नीति द्वारा निर्धारित यह सीमा पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है।
- वन क्षेत्रों के आस पास रहने वाले लाखों लोगों की आजीविका इस पर निर्भर करती है।



- भू-उपयोग का एक भाग बंजर भूमि और दूसरा गैर-कृषि प्रयोजनों में लगाई गई भूमि
  - बंजर भूमि में पहाड़ी चट्टानें, सूखी भूमि, मरुस्थलीय भूमि आदि आते हैं।
  - गैर-कृषि प्रयोजनों में लगाई भूमि में बस्तियाँ, सड़कें, रेल लाइन, उद्योग आदि आते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- लगातार भू-उपयोग एवं लंबे समय तक भूमि संरक्षण-प्रबंधन की अवहेलना करने के कारण भू-संसाधनों का निम्नीकरण हो रहा है।
- इसके कारण समाज और पर्यावरण पर गंभीर आपदा आ सकती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भू निम्नीकरण → कारण

1. खनन प्रक्रिया –
2. वनों की कटाई –
3. अति पशुचारण / अनियन्त्रित पशुचारण



mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय

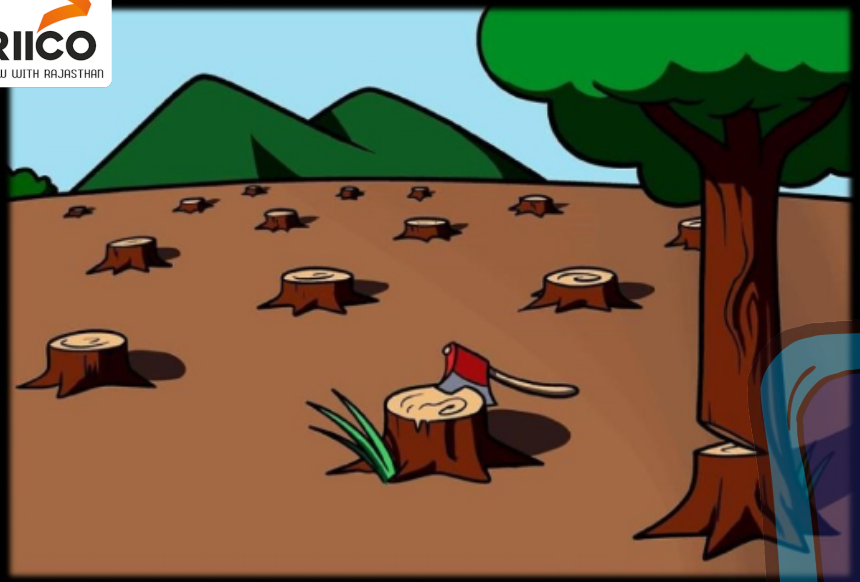
- भूमि एक ऐसा संसाधन है जिसका उपयोग हमारे पूर्वज करते आए हैं तथा भावी पीढ़ी भी इसी भूमि का उपयोग करेगी।
- हम भोजन, मकान और कपड़े की अपनी मूल आवश्यकताओं का 95 प्रतिशत भाग भूमि से प्राप्त करते हैं।

- लेकिन, मानव कार्यकलापों के कारण—
  - भूमि का निम्नीकरण।
  - भूमि को नुकसान पहुँचाने वाली प्राकृतिक ताकतों को भी बल मिला।

Imp Q.1 मानवीय क्रियाकलापों का भूमि निम्नीकरण पर क्या प्रभाव पड़ता है?

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

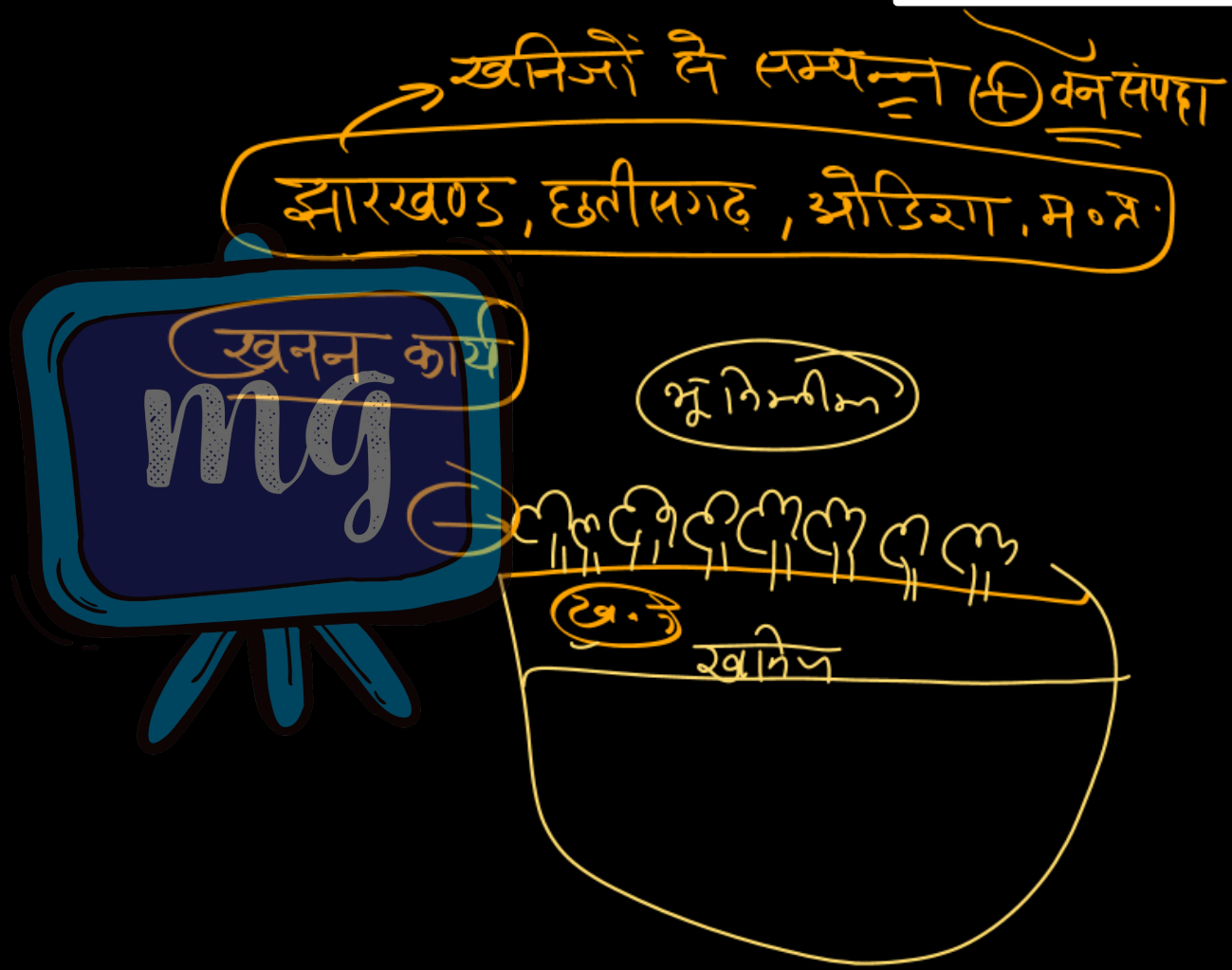




- कुछ मानव क्रियाओं जैसे वनोन्मूलन, अति पशुचारण, खनन ने भी भूमि के निम्नीकरण में मुख्य भूमिका निभाई है।
- खनन के उपरांत खदानों वाले स्थानों को गहरी खाइयों और मलबे के साथ खुला छोड़ दिया जाता है।
- झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और उड़ीसा जैसे राज्यों में खनन के कारण वनोन्मूलन, भूमि निम्नीकरण का कारण बना है।

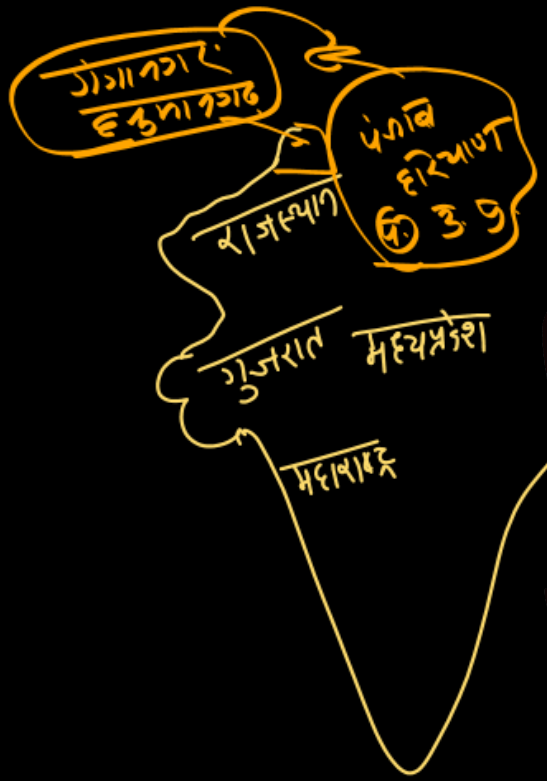
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भूमि निम्नीकरण का मुख्य कारण

अति पशुचारण : गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश , महाराष्ट्र

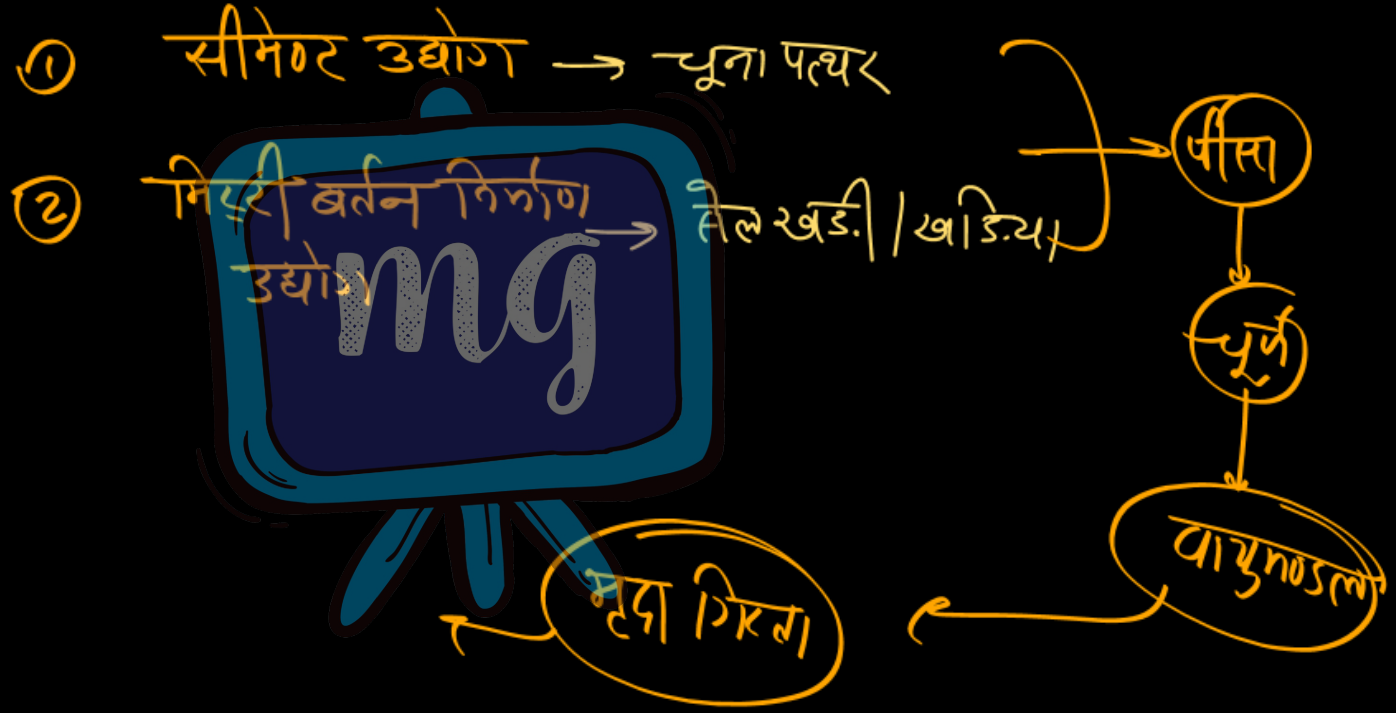
अधिक सिंचाई : पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर-प्रदेश

(अधिक सिंचाई से → जल भराव → मृदा में लवणीयता और क्षारीयता का बढ़ना)

जलाक्रांता की समस्या
(सैम की समस्या)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



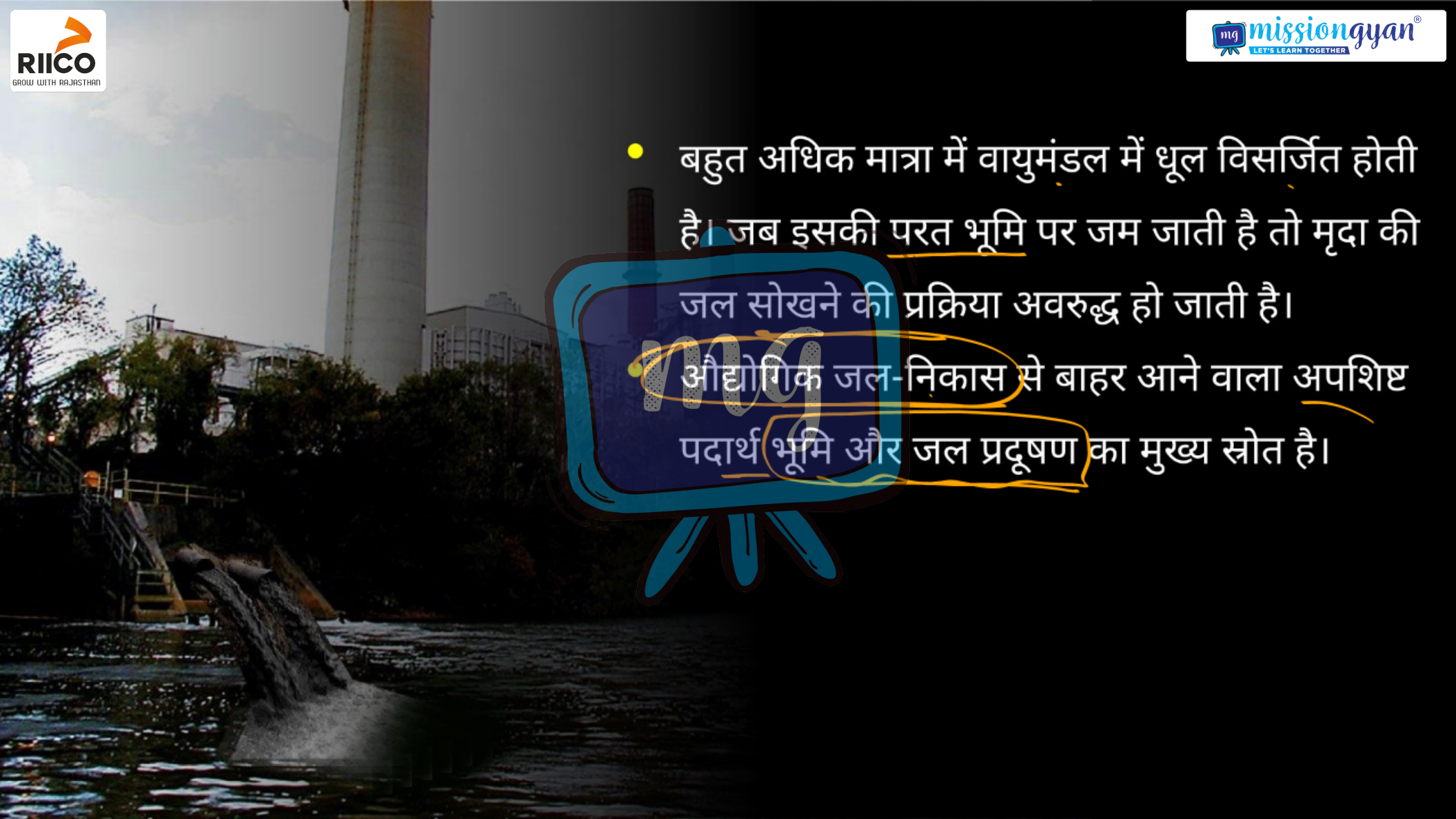
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

खनिज प्रक्रियाएँ :

- सीमेंट उद्योग में चूना-पत्थर को पीसना
- मिट्टी के बर्तन उद्योग में चूने (खड़िया मृदा) का प्रयोग





- बहुत अधिक मात्रा में वायुमंडल में धूल विसर्जित होती है। जब इसकी परत भूमि पर जम जाती है तो मृदा की जल सोखने की प्रक्रिया अवरुद्ध हो जाती है।
- औद्योगिक जल-निकास से बाहर आने वाला अपशिष्ट पदार्थ भूमि और जल प्रदूषण का मुख्य स्रोत है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भूमि निम्नीकरण की समस्या को सुलझाने के तरीके

- वनारोपण
- शुष्क क्षेत्रों में भूमि कटाव की रोकथाम —
  - पेड़ों की रक्षक मेखला (shelter belt)
  - पशुचारण नियंत्रण
  - काँटेदार झाड़ियाँ लगाकर रेतीले टीलों को स्थिर
- बंजर भूमि के उचित प्रबंधन
- खनन नियंत्रण
- औद्योगिक जल का परिष्करण के पश्चात् निष्कासन




भारत
राजनैतिक मानचित्र / नक्शा
लद्दाख
लेह
जम्मू और कश्मीर
श्रीनगर
जम्मू
हिमाचल प्रदेश
शिमला
पंजाब
चंडीगढ़
उत्तराखण्ड
देहरादून
हरियाणा
दिल्ली
नई दिल्ली
पाकिस्तान
चीन (तिब्बत)
नेपाल
सिक्किम
गंगटोक
भूटान
अरुणाचल प्रदेश
इटानगर
असम
दिसपुर
नागालैंड
कोहिमा
मेघालय
शिलांग
मणिपुर
इम्फाल
बांग्लादेश
अगरतला
त्रिपुरा
आइजोल
मिजोरम
म्यांमार (बर्मा)
उत्तर प्रदेश
लखनऊ
बिहार
पटना
राजस्थान
जयपुर
गांधीनगर
गुजरात
दमन
दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव
मध्य प्रदेश
भोपाल
झारखंड
रांची
पश्चिम बंगाल
कोलकाता
छत्तीसगढ़
रायपुर
ओडिशा
भुवनेश्वर
महाराष्ट्र
मुम्बई
तेलंगाना
हैदराबाद
अमरावती
यानम (पुदुच्चेरी)
बंगाल की खाड़ी
अरब सागर
पणजी
गोवा
कर्नाटक
आंध्र प्रदेश
बेंगलुरु
चेन्नई
पुदुच्चेरी
कराईकल (पुदुच्चेरी)
माहे (पुदुच्चेरी)
कवरत्ती
लक्षद्वीप (भारत)
तमिलनाडु
तिरुवनंतपुरम
श्री लंका
हिन्द महासागर
पोर्ट ब्लेयर
अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह (भारत)
अंतर्राष्ट्रीय सीमा
संघ/केंद्र शासित प्रदेश की सीमा
देश की राजधानी
राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की राजधानी
Map not to Scale
Copyright © 2022 www.mapsofindia.com

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत के समुद्री पतन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

